MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लॉग इन करें https://dainikyashonnati.com एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 74 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी मंगलवार 21 नवंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार | पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

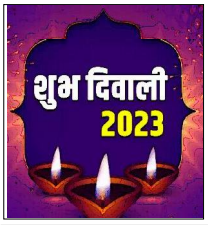

अटेर विधानसभा के एक मतदान केन्द्र में पुनर्मतदान के आदेश

भोपाल -भारत निर्वाचन आयोग ने भिंड जिले के 09- अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 71- किशुपुरा नंबर-3 में 21 नव बर (मंगलवार) को पुनर्मतदान के आदेश दिए हैं।

पुनर्मतदान 21 नव बर (मंगलवार) को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। 21 नव बर को मॉकपोल सुबह 5ः30 बजे प्रारंभ होगा। इसके लिए मतदान दल सामग्री सहित 20 नव बर को रवाना होंगे। पुनर्मतदान में अमिट स्याही मतदाताओं के बायें हाथ की मध्यमा अंगुली में लगायी जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग ने कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, भिंड को पुनर्मतदान कराने के पूर्व मतदान दल के पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारियों को विधिवत् प्रशिक्षण भी देने के निर्देश दिए हैं। पुनर्मतदान की सूचना समस्त अ यर्थियों एवं राजनीतिक दलों को अनिवार्य रूप से देने एवं मतदान केंद्र के क्षेत्र में डोंडी (मुनादी) पिटवाकर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी भारत निर्वाचन आयोग ने कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, भिंड और रिटर्निंग आफिसर 09- अटेर विधानसभा क्षेत्र को दिए हैं।

अज्ञात ट्रक ने कार एवं ऑटो को मारी टक्कर

सिवनी यशोः- रविवार को रात्रि के समय जबलपुर रोड स्थित होटल सेंटर पॉइंट के पास एक अज्ञात ट्रक ने कार एवं ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी जिससे ऑटो एवं कार में सवार लोग घायल हो गए हैं।

बंडोल थाना प्रभारी राजेश दुबे ने बताया कि रविवार को रात्रि के समय एक अज्ञात ट्रक के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए कार एवं ऑटो को जोरदार टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया है। इस घटना में ऑटो एवं कार में सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची एवं ग्रामीणों की मदद से घायल लोगों को एंबुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय भेजा गया है। श्री दुबे ने बताया की टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार घटना स्थल से कई फीट दूर जाकर गिरी जिसे क्रेन की मदद से उठाया गया है बंडोल पुलिस ने इस मामले में जांच प्रारंभ कर प्रकरण की विवेचना प्रारंभ कर दी है।

युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

सिवनी यशोः- बंडोल थाना अंतर्गत गोरखपुर गांव के एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि नितिन पिता रामसिंग राय 28 वर्ष को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया था। डॉ टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु कर दी है।

जबरन नॉलेज

योगेन्द्र बाबा की हैट्रिक या विजय की विजय के इशारे

लखनादौन विधानसभा में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत बढ़ने से धड़कने हुई तेज

सिवनी यशोः सिवनी जिले की लखनादौन विधानसभा में इस बार सर्वाधिक मतदान प्रतिशत की बढ़ोत्री स्पष्ट रूप से संकेत दे रहा है कि मतदाताओं में जागरूकता आ रही है । यहाँ बता दे कि 1980 में लखनादौन विधानसभा के लिये निर्वाचन हुआ था जिसमें कुल 30 प्रतिशत भी मतदान नहीं हुआ था । वर्ष 1998 तक के निर्वाचन में यहाँ 55 प्रतिशत मतदान हुआ था सन् 2003 में यह बढकर 72 प्रतिशत के पार गया और इसी चुनाव में भारतीय जनता की पहली जीत श्रीमती शशि ठाकुर ने दर्ज की थी । इसके पूर्व के सभी चुनाव में लखनादौन से कांग्रेस के प्रत्याशी जीतते रहे है । वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में कुल मिलाकर 268163 मतदाता थे, जिन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी योगेंद्र सिंह "बाबा" को 82951 वोट देकर जिताया था. उधर, बीजेपी उमीदवार विजय कुमार उइके को 70675 वोट हासिल हो सके थे । वर्ष 2023 के चुनाव में मध्य प्रदेश में एक ही चरण में 17 नवंबर को मतदान करवाया

गया है जिसमें लखनादौन के 84 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया है और मतगणना, यानी चुनाव परिणाम 3 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। आदिवासी वर्ग के आरक्षित इस विधानसभा में भारी मतदान लाड़ली बहना योजना और किसानों को धान एवं गेहूँ के मूल्यों को बढाये जाने के असर के साथ ही कोदो, कुटकी, बाजारा आदि की मार्केटिंग सरकारी स्तर पर किये जाने से आदिवासी वर्ग में अच्छा प्रभाव रहा है ।

प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र के सिवनी जिले की लखनादौन विधानसभा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है. पिछले विधानसभा चुनाव, यानी वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में यहां कुल मिलाकर 268163 मतदाता थे, जिन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी योगेंद्र सिंह "बाबा" को 82951 वोट देकर जिताया था. उधर, बीजेपी उमीदवार विजय कुमार उइके को 70675 वोट हासिल हो सके थे, और वह 12276 वोटों से हार गए थे।

इसी तरह वर्ष 2013 में लखनादौन विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी योगेंद्र सिंह (बाबा) को जीत हासिल हुई थी, और उन्होंने 77928 वोट हासिल किए थे. इस चुनाव में बीजेपी उमीदवार श्रीमती शशि ठाकुर (मरावी) को 65147 वोट मिल सके थे, और वह 12781 वोटों के अंतर से दूसरे स्थान पर रहे थे।

इससे पहले, लखनादौन विधानसभा क्षेत्र में वर्ष 2008 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी पार्टी के प्रत्याशी श्रीमती शशि ठाकुर (मरावी) ने कुल 46209 वोट हासिल कर जीत दर्ज की थी, और कांग्रेस उमीदवार बेनी कुंदन परते दूसरे स्थान पर रहे थे, जिन्हें 41211 मतदाताओं का समर्थन हासिल हो सका था, और वह 4998 वोटों के अंतर से विधानसभा चुनाव हार गए थे।

लखनादौन विधानसभा मे भारतीय जनता पार्टी की श्रीमती शशि ठाकुर के दस वर्षीय कार्यकाल को यदि छोड़ दे तो यहाँ आजादी के बाद से लगातार कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी जीत दर्ज करते रहे है और इन अवधि में कांग्रेस पार्टी की ओर सत्येंद्र सिंह ठाकुर और उनके निधन के पश्चात उनके पुत्र रणजीत सिंह ठाकुर का कार्यकाल सबसे लंबा रहा है ।

आजादी के बाद से इस विधानसभा क्षेत्र में विकास की वह गति नहीं रही जो होना चाहिये थी । सिवनी जिले की सबसे पुरानी तहसील लखनादौन है जो आजादी के पूर्व ही बनी थी परंतु इस आदिवासी क्षेत्र में विकास की गति बहुत मंद रही है । इस क्षेत्र में देश का सबसे बेहतर गुणवत्ता वाला सागौन प्रचुर मात्रा में होता है । प्राचीन सिलालेख और लखनकुंवर का यह क्षेत्र विकास की दौड़ में पिछड़ा हुआ है । कृषि की सिंचाई के लिये पानी का बेहद आभाव है तो पीने के पानी की इस क्षेत्र के ग्रामों में समस्या है, स्कूलों की दशा ठीक नहीं है । स्वास्थ्य सुविधाएँ बहुत बेहतर नहीं है ।

यहाँ लखनादौन को जिला बनाने की मांग लंबे से हो रही है । वर्तमान विधायक की क्षेत्र में उपस्थिती कम रहने से इनके बारे में लापत होने के पोस्टर भी लगते रहे है ।

आंवला नवमीं आज

कार्तिक महीने के शु ल पक्ष की नवमी पर आंवले के पेड़ की पूजा के साथ व्रत किया जाता है। इसे आंवला नवमी कहते हैं। ऐसा करने से पर मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता है। इसलिए इसे अक्षय नवमी भी कहते हैं। इस बार यह व्रत 21 नवंबर को मनाया जायेगा। इस दिन आंवले के पेड़ का पूजन कर परिवार के लिए आरोग्यता व सुख -समृद्धि की कामना की जाती है।

आंवला वृक्ष पूजन का महत्व

धार्मिक कथाओं के अनुसार माता लक्ष्मी ने एक बार भगवान विष्णु और भगवान शिव की एक साथ पूजन करने का विचार किया तो उन्हें इस बात का ध्यान आया कि भगवान विष्णु की प्रिय तुलसी है और भगवान शिव को बेल प्रिय और तुलसी तथा बेल दोनों के गुण आंवले में होते है अतः उन्होंने आंवले का पूजन किया । पूजन के पश्चात भगवान विष्णु और भगवान शिव प्रगट हुये । माता लक्ष्मी ने दोंनो को उसी आंवले के वृक्ष के नीचे भोजन पका का खिलाया तब से धार्मिक मान्यता है कि आंवला नवमी स्वयं सिद्ध मुहूर्त भी है। इस दिन दान, जप व तप सभी अक्षय होकर मिलते हैं अर्थात इनका कभी क्षय नहीं होता हैं। भविष्य, स्कंद, पद्म और विष्णु पुराण के मुताबिक इस दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है। पूजा के बाद इस पेड़ की छाया में बैठकर खाना खाया जाता है। ऐसा करने से हर तरह के पाप और बीमारियां दूर होती हैं। इस दिन किया गया तप, जप , दान इत्यादि व्यक्ति को सभी पापों से मुक्त करता है तथा सभी मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाला होता है।

आंवला नवमी पूजाविधि

सूर्योदय से पूर्व स्नान करके आंवले के वृक्ष की पूजा की जाती है। आंवले की जड़ में कच्चा दूध चढ़ाकर रोली ,अक्षत, पुष्प, गंध आदि से पवित्र वृक्ष की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करें। इसके बाद आंवला के पेड़ पर मौली बांधकर भगवान विष्णु के मंत्र का जप करना चाहिए फिर इसके आंवले के वृक्ष की सात परिक्रमा करने के बाद दीप प्रज्वलित करें एवं अपने परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें।

नेता करते रहे बड़े बड़े वायदे और वहाँ पीने के पानी के लिये मचा था हाहाकार

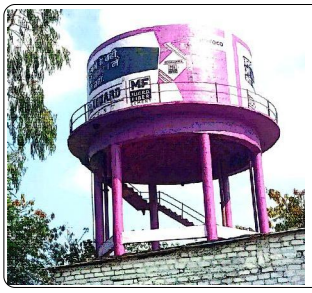

घंसौर यशोः- घंसौर ग्राम पंचायत क्षेत्र में पिछले एक पखबाड़ा से पेयजल की सप्लाई बाधित है पूरे नगर में हाहाकार मचा हुआ है । जब लोकतंत्र के महापर्व विधानसभा चुनाव के लिये राजनैतिक दल बड़े बड़े वायदों के साथ वोट मांग रहे थे उस समय आदिवासी विकासखंड मु यालय घंसौर मु यालय में वहाँ के निवासी बूंद बूंद पानी के लिये हाहाकार कर रहे थे । चुनाव के समय वोट मांगने वाले धरती पर स्वर्ग बनाने के वायदे करते है परंतु आजादी 75 वर्ष बाद भी पीने के पानी की उपलब्धता नहीं होना राजनैतिक दलों की हकीकत को बयाँ करती है ।

घंसौर मु यालय में दो ह ते से बंद है नलजल योजना

लोकतंत्र के महापर्व के साथ ही इस बीच दीपावली का महापर्व था परंतु घंसौर में पेयजल की सप्लाई वहाँ के निवासियों के लिये बड़ी समस्या रही। मिली जानकारी के अनुसार मु यालय में ग्राम पंचायत घंसौर द्वारा मोहगांव जलाशय के जरिये नलजल योजना का संचालन किया जाता है किंतु बीते दो ह ते से नलजल योजना ठप्प पड़ी हुई है पानी की सप्लाई बंद होने से त्योहार के ऐन मौके पर घंसौर में हाहाकार मचा हुआ है बताया जा रहा है कि मोहगांव जलाशय के जिस इंटेकवेल के मोटर पंप से पानी सप्लाई की जाती है वह मोटर पंप खराब हो गया है जो अब तक दुरूस्त नहीं होने से पानी की सप्लाई बहाल नहीं हो पा रही है कहा जा रहा है कि ग्राम पंचायत की लापरवाही के कारण लोगों को पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है नलजल योजना बहाल करने में ग्राम पंचायत नाकाम साबित हो रही है आरोप है कि ग्राम पंचायत द्वारा प्रतिवर्ष मोटर पंप खरीदने और सुधरवाने के नाम पर लाखों रूपये खर्च किये जाते हैं लेकिन नलजल योजना का हाल जस का तस बना रहता है कुछ महीने पहले ही एक नया मोटर पंप खरीदा गया था किंतु वह भी खराब हो गया, ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर अब सवालिया निशान लगाये जा रहे हैं ? विगत के वर्षों में खरीदे गए मोटर पंप आखिर कहां रखे गए हैं पुराने मोटर पंपों में सुधार कार्य करवा उन्हें आपात स्थिति में उपयोग यों नहीं किया जा रहा है? ग्राम पंचायत घंसौर की यह स पत्ति यदि कबाड़ हो चुकी है तो इसकी नीलामी यों नहीं की जा रही है जैसे अनेक सवाल उठाए जा रहे हैं भारी-भरकम खर्च करने के बाद भी नलजल योजना ठप्प हो रही है लगातार बढ़ रही पेयजल की समस्या से लोगों का आक्रोश फूट रहा है।

क्रिकेट की कमाई से करोड़ों लोगों को भूख से मिल सकती है मुक्ति

सिवनी यशोः- हाल ही में समाप्त हुए विश्व क्रिकेट कप मैच से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 22 हजार करोड़ रुपए कमाया है। इतनी बड़ी धनराशि से देश के करीब 32 करोड़ लोग जो रोज रात को भूखे सोते हैं, इनको भुखमरी और कुपोषण से मुक्ति दिलाई जा सकती है।

उक्ताशय के विचार व्यक्त करते हुए रविदास शिक्षा मिशन सिवनी के अध्यक्ष रघुवीर अहरवाल ने बताया कि विश्व क्रिकेट मैच से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 22 हजार करोड़ कमाया है, यह बहुत बड़ी धनराशि है। क्रिकेट विश्व कप के आयोजन के तमाम खर्च काटकर भी बोर्ड के पास करीब 15 हजार करोड़ शुद्ध बचत होगी। इस धनराशि से देश के करीब 32 करोड़ लोगों को भुखमरी और कुपोषण से बचाया जा सकता है, जो रोज रात को भूखे सोते हैं।

श्री अहरवाल ने आगे बताया कि देश के अनेक स्थानों पर कुछ अत्यंत दर्दनाक और मार्मिक दृश्य देखने को मिलते हैं जिसमें अनेक भूखे बच्चे और लोग शादी, पार्टियों आदि से बचे हुए फेंके गए भोजन से अपनी भूख मिटाते देखे जा सकते हैं। कुछ सामाजिक संस्थाए शादी और पार्टियों से बचे भोजन को एकत्र करके जरुरतमंद लोगों तक पहुंचाने का कार्य भी करती हैं। इस चित्र को देखकर देश के करोड़ो गरीबों की दर्दनाक और मार्मिक दशा को समझा जा सकता है। ऐशोआराम की जिन्दगी जीने वाले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को इन गरीबों की हालत पर दया करना चाहिए।

फंदे पर लटका मिला युवक का शव

सिवनी यशोः- केवलारी के पाास जामुनपानी गांव में एक युवक ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम किया पुलिस के अनुसार जामुनपानी निवासी कृष्ण कुमार चंदेल 35 वर्ष ने रात में अपने परिवार के साथ खाना खाया और अपने कमरे में जाकर सो गया। रविवार की सुबह जब परिजन उसके कमरे में गए तो देखा कि कृष्ण कुमार फंदे में लटका हुआ था। तब उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि कृष्ण कुमार की पत्नी तीन माह से अपने मायके में रह रही है। उसने यह कदम यों उठाया इसका पता नहीं चला है।

पिकअप ने मारी बाइक को टक्कर युवक घायल

सिवनी यशोः- ग्राम ब होडी के पास एक पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मारकर युवक को गंभीर रूप से घायल कर दिया। डूंडा सिवनी पुलिस ने बताया कि रविवार को बरघाट रोड स्थित ग्राम ब होडी के पास एक पिकअप वाहन चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी जिससे बाइक में सवार युवक राजेंद्र घायल हो गया। जिसे उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है इस मामले में पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

सड़क हादसे में ससुर सहित दो दामादों की मौके पर हुई मौत,

ग्राम सादक सिवनी और छपारा कलां के बीच वन वे सडक पर ट्रक की चपेट में आई बाईक

छपारा यशोः- 20 नवंबर को दोपहर लगभग 2ः00 बजे नगर से लगभग 4 किलोमीटर दूर ग्राम सादक सिवनी और छपारा कलां के बीच एन एच 44 फोरलेन पर सड़क मर मत के लिए सिंगल वे पर एक ट्रक और सामने से बाईक आमने-सामने टकरा गए जिसमें बाईक सवार तीन लोगों की मौके पर ही दुखद मौत हो गई । मिली जानकारी के अनुसार सीताराम उईके पिता मोले उईके 65 वर्ष छपारा खुर्द निवासी अपने दोनों दामाद संतलाल पिता किशोरी धुर्वे 40 वर्ष और लक्ष्मन पिता किशोरी धुर्वे 35 वर्ष लखनवाडा थाना क्षेत्र ग्राम पांजरा निवासी एक पारिवारिक कार्यक्रम के बाद घर

छपारा खुर्द लौटते समय एन एच 44 फोरलेन के सादक सिवनी और छपारा कलां के बीच सड़क मर मत के लिए सिंगल वे पर सामने से आ रहे ट्रक क्रमांक - क्र02-झक्र-7227 से बाईक टकरा गई जिसकी चपेट में आने से मौके पर तीनों की मौत हो गई जहां हादसे के बाद एक परिवार के तीन सदस्यों की एक साथ हुई मौत पर मृतक के परिवार सहित पूरे छपारा खुर्द ग्राम का माहौल गमगीन हो गया तीनों मृतकों के शवों को पुलिस के द्वारा मौके से नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पोस्ट मार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

सिंगल वे पर पहले भी दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की गई जान - एन एच 44 फोरलेन के गोरखपुर से पुरानी सड़क को निकाल दोबारा सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है जिस पर अभी लगभग 6-7 किलोमीटर का कार्य एक तरफ का हो चुका है जिसके लिए मार्ग को वन वे ट्रैफिक पर रखा गया है जिस पर कुछ दिनों पूर्व एक आर्मी ट्रक पर सवार एक सैनिक और एक दोपहिया वाहन सवार की मौत हो चुकी है ।

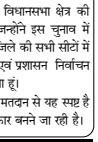

शांतिपूर्ण मतदान के लिए भाजपा प्रत्याशी कमल मर्सकोले ने किया धन्यवाद ज्ञापित

बरघाट यशोः- मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की शुक्रवार को संपन्न हुए शांतिपूर्ण मतदान के लिए बरघाट विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी कमल मर्सकोले (पूर्व विधायक) ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विधानसभा चुनाव हेतु नियुक्त बरघाट विधानसभा मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह ठाकुर (जिला सह मीडिया प्रभारी) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कमल मर्सकोले ने कहा कि लोकतंत्र के इस महान यज्ञ में मतदाताओं ने जो उत्साह प्रदर्शित किया है निश्चित ही जागरूकता का परिचय है, मतदाताओं के द्वारा मतदान के इस उत्साह हेतु में बरघाट विधानसभा क्षेत्र सहित प्रदेश के मतदाताओं का आभार व्यक्त करता हूं।

राजेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में पूर्व विधायक कमल मर्सकोले ने कहा कि सर्वाधिक मतदान के लिए बरघाट विधानसभा क्षेत्र की जनता के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जिन्होंने इस चुनाव में बढ़कर भाग लेकर अपने मतों का प्रयोग किया। जिले की सभी सीटों में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न करवाने के लिए पुलिस एवं प्रशासन निर्वाचन आयोग की टीम के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूं।

श्री मर्सकोले ने कहा कि प्रदेश में हुए सर्वाधिक मतदान से यह स्पष्ट है कि मध्य प्रदेश में फिर इस बार भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

वनवासी संस्कृति में ही गड़ी है हमारी गर्भनाल

जयराम शु ल-

एक पत्रकार के नाते जल-जंगल-जमीन और जन पर लिखना-पढ़ना मुझे हमेशा से सुभीता रहा है। वनवासियों पर मेरी समझ किताबों के जरिए नहीं बन पाई, इस समाज को आंखों से जितना देखा और उनके बीच जाकर जो जाना बस उतना ही ज्ञान है, उससे ज्यादा कुछ नहीं। अलबत्ता अल्विन वारियर और वाल्टर जी ग्रिफिथ्स को पढ़ा है।

दोनों ने ही मध्यभारत की जनजातियों पर विषद् और वैज्ञानिक अध्ययन किया है। स्वाभाविक तौर पर इन महापुरूषों के अध्ययन का आधार वैदिक काल की वह अरण्य संस्कृति नहीं रही जिसमें यह समाज पला-बढ़ा और आज यहाँ तक पहुंचा, पढ़कर यही एक खोट महसूस हुआ। वारियर और ग्रिफिथ्स मेरे लिए महज एक विद्वान व अकादमिक सूचना संसाधन मात्र हैं। जो भी समझ बनी वह उनके बीच जाकर उनके हाल देखकर ही बनी।

जाहिर है कि जनजातियों के मसले समझने का मेरा नजरिया एक पत्रकार का है और इस हिसाब से आप मुझे इस विषय के बारे सतही जानकार घोषित करने के लिए स्वतंत्र हैं। वक्तव्य से पहले मैं छात्रों और शोधार्थियों को यही कैफियत दी।

अनुसूचित जनजाति की समस्याएं और उनके समाधान की बात करने से पहले यह जानना जरूरी है कि ये हैं कौन? या कारण हैं कि इन्हें मु ख समाज से अलग करके देखा जाता है?

इतिहासकारों ने इन्हें आदिवासी कहकर संबोधित किया। जैसा कि अर्थ से ही स्पष्ट है यहाँ के आदि निवासी। इससे यह स्वमेव ध्वनित होता है कि इनके अलावा जो भी हैं वे इस देश के आदि.. वासी नहीं हैं अन्यत्रवासी थे। इतिहासकारों की इसी स्थापना की पीठ पर आर्यों और अनार्यों की थ्योरी गढ़ी गई। यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी, वो इसलिए कि जिससे विशाल भारतीय समाज में इसे आधार बनाकर आगे विभेद पैदा किया जा सके।

विभेद की ये कोशिशें हो भी रही हैं कभी महिषासुर महोत्सव के जरिए, कभी यह बताकर कि ये भारतीय सनातन समाज के हिस्से नहीं हैं इनका धर्म व इनकी मान्यताएं अलग हैं। राजनीतिक तुष्टीकरण इस मसले को और भी गंभीर बना देता है। मेरा मानना है कि इसे वनवासी समाज कहना ही सही और न्यायोचित होगा। इतिहास से आदिवासी शब्द सदा के लिए विलोपित कर दिया जाना चाहिए` योंकि अंग्रेज और उनके वैचारिक वंशधरों ने आदिवासी शब्द ही सोची-समझी और दूरगामी परिणाम देने वाली साजिश के चलते गढ़ा था।

अब विचार करने की जरूरत है कि ये वनवासी ही` यों रहे आए जबकि अरण्य संस्कृति का विस्तार ग्रा य और नागर संस्कृति तक हुआ। वनों से दूर एक नया समाज बना और वह आज उत्तरोत्तर आधुनिकता दौड़ में इतना आगे पहुंच गया कि इस धरती से भी दूर नए ग्रहों में बसने की सोचने लगा है।

मेरा ऐसा मानना है कि आदिमयुग के बाद जब स यताओं के विकास का क्रम शुरू हुआ। मेधा का विकास द्रुतगति से होने लगा तो उस समाज में दो समानांतर वर्ग पनपे, उसका आधार और कुछ नहीं अपितु प्रवृत्ति मूलत रूप से एक हैं। यह थोपी हुई थ्योरी है कि वे आदिवासी हैं और जो शेष हैं वे बाहर से आए हुए आक्रांता।

वेद हमारी अरण्य संस्कृति की अमूल्य निधि हैं। इन्हें रचने में वनवासी समाज का भी उतना ही योगदान है।

वनवासियों के देवी-देवताओं और मान्यताओं पर भी विमर्श चलते रहते हैं। यह बात तो इतिहासकार भी मानते हैं कि शिव परिवार और हनुमानजी मूलतः अनार्यों के देवता हैं। वेदों में प्रकृति को ही देवता माना गया है। वैदिक देवता व्यक्त और व्यापक हैं। वे साक्षात हैं। वेदों में पंचभूतों को देवता माना गया है। वृक्ष,नदियां, पर्वत, पशुपक्षी सभी के प्रति दैवीय भाव है। वनवासियों के प्रायः सभी देवी देवता प्रकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भगवान शंकर जैव विविधता और प्रकृति के घनीभूत तेजपुंज हैं। वनवासियों के मंत्रोच्चार जो कि प्रायः आपदा-विपदा के समय या अस्तित्व का अनुकरणीय प्रादर्श है जिसे वनवासी समाज आज भी जीता है। शिव वनवासियों के आदिदेव हैं। ग्रा य व नागर संस्कृति के जनों ने तो काफी बाद में इनके अस्तित्व व महत्व को स्वीकार किया। डॉ. राममनोहर लोहिया वानरों को बंदर नहीं मानते, अपितु इन्हें मनुष्य ही मानते हैं जो वन में रहते थे। वानर से ऐसा शब्दबोध भी होता है, वन-नर-वानर।

रामायण कथा वनवासियों के पराक्रम और अतुल्य सामर्थ्य की कथा है जिसमें उन्होंने राम के नेतृत्व में पूंजीवाद, आतंकवाद के पोषक साम्राज्यवादी रावण को परजित कर सोने की लंका को धूलधूसरित कर दिया। रामकथा यथार्थ में वनवासियों के मुक्ति संघर्ष और विजय की अमरकथा है। इस कथा के नायक ने स्वयं वनवासी बनना स्वीकारा और तमाम वनवासियों को अपने झाड़फूंक के लिए प्रयोग में लाए जाते हैं उनमें से प्रायः सभी में हनुमान जी या शंकर जी की दुहाई दी जाती है। शिव परिवार तो प्रकृति में सह अस्तित्व जीवन जी रहा था उसे आज जानवरों का दुश्मन करार कर दिया गया। जो राजे रजवाड़े बाघों व अन्य जानवरों का शिकार करके लाट साहबों की पद्दियां पाई आज उन्हीं के नुमाइंदे इस नीति के नियंता बने हुए हैं जो वनवासियों को विकास का बाधक मानते हैं। समस्याओं का ओरछोर नहीं न ही कोई पारावार।

योजनाएं वनवासियों के लिये बनती हैं पर कभी यह जानने की कोशिश नहीं होती कि वे खुद कैसा विकास चाहते हैं। थोपा हुआ विकास उन्हें विनाश की मझधार में ले जाकर छोड़ रहा है।

वनवासियों की जीवनशैली परिवेश और उनकी दृष्टि को जाने बिना हम सही दिशा में नहीं बढ़ सकते।

प्रकृति को लेकर जो उनका दृष्टिकोण है वही इस दुनिया को बचा सकता है। प्रकृति से हम उतना ही लें जितना फूल से भरा, जितना गाय से बछड़ा। प्रकृति का वध करके विकास की सोचेंगे तो हमें इस सृष्टि में कहीं सहारा ढूंढे नहीं मिलेगा।

इस शताब्दी के महान वैज्ञानिक स्टीफन हाकिंस यह चेतावनी दे चुके हैं- हमारा हर कदम विनाश की ओर बढ़ रहा है। हमें आत्महंता प्रवृत्ति छोड़नी होगी या फिर किसी दूसरे ग्रह को खोजना होगा जहां हम अपना डेरा जमा सकें` योंकि विकास की आत्मघाती र तार तेज और तेज होती जा रही है। वनवासियों से हम जीने की जीवनदृष्टि ले सकते हैं पर अभी तो फिलहाल उन्हीं के अस्तित्व के सत्यानाश में लगे हुए हैं।

स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार, पुलिस ने मारा छापा

भोपाल - मिसरोद इलाके में स्पा सेंटर पर दबिश देकर चार महिलाओं समेत छह लोगों को गिर तार किया है। आरोपित स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कर रहे थे। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है।

मुखबिर से मिली थी सूचना पुलिस ने छापा मारकर पकड़ा

मिसरोद टीआइ रतन सिंह परमार ने बताया कि शनिवार रात में मुखबिर से सूचना मिली थी कि आशिमा माल के पास इवा नामक स्पा सेंटर में देह व्यापार किया जा रहा है। यहां पर काम करने वाली महिलाएं आन डिमांड ग्राहक को सेवाएं दे रही हैं। खबर लगते ही स्पा सेंटर पर पुलिस ने एक आरक्षक को ग्राहक बनाकर भेजा और उसका इशारा मिलते ही दबिश दी। पुलिस ने स्पा सेंटर से चार युवतियों को पकड़ा, जिनकी उम्र 20 से 24 साल है। ये युवतियां बांगसेवनिया, भेल संगम कालोनी, अशोकागार्डन इलाकों की रहने वाली हैं। इनमें एक शादीशुदा है, और दो कालेज छात्राएं हैं।

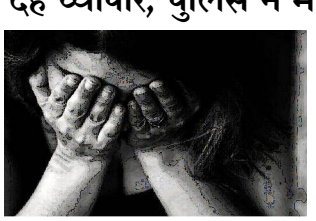

संचालक भाग निकला

इसके अलावा पुलिस ने कृष्णा और वृज बाल्मिकी नाम के दो ग्राहक को पकड़ लिया। जबकि स्पा सेंटर का संचालक रेहान भागने में सफल हो गया। पुलिस ने जब स्पा सेंटर की तलाशी ली तो मौके से कई आपत्तिजक सामान भी मिला। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पकड़े गए सभी आरोपित भोपाल के रहने वाले हैं। अब तक की पड़ताल में सामने आया कि आरोपित लंबे समय से स्पा सेंटर चलाने का काम कर रहे थे। हालांकि पुलिस को उसकी खबर नहीं थी।

एक माह से बढ़ गई थीं गतिविधियां

टीआइ रतन सिंह ने बताया कि ग्राहकों को करीब दो हजार से 10 हजार रुपये में सेवाएं मुहैया कराई जा रही थीं। करीब एक माह से गतिविधियां अधिक बढ़ रही थीं। सूचना मिलते ही कार्रवाई की। आरोपित पर देह व्यापार की धाराओं में एफआइआर दर्ज कर गिर तारी नोटिस पर उनको छोड़ा गया है। दोनों ग्राहक निजी काम करते हैं। चार लड़कियों एक शादीशुदा है।

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव 22 नवंबर को, अंतिम रविवार होने से प्रचार जोरों पर

इंदौर। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के 22 नवंबर को होने वाले वार्षिक चुनाव के लिए प्रत्याशियों का प्रचार जोर पर है। 19 नवंबर मतदान से पहले का अंतिम रविवार होने से प्रत्याशी प्रचार में जुटे रहे। ज्यादातर प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ सदस्यों के घर औरकार्यालय पहुंचकर व्यक्तिगत मुलाकात कर रहे हैं। वे अपने समर्थन में मतदान की गुहार लगाते हुए हाई कोर्ट बार एसोसिएशन की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने का आश्वासन भी दे रहे हैं।

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव प्रचार परंपरागत तरीके जैसे पंपलेट्स, पोस्टर, बैनर इत्यादि से दूर हैं। इस चुनाव में सिर्फ दो ही तरीकों से प्रचार होता है। पहला तो व्यक्तिगत संपर्क और दूसरा इंटरनेट मीडिया। रविवार का उपयोग प्रत्याशी व्यक्तिगत संपर्क के लिए कर रहे हैं तो उनके समर्थक इंटरनेट मीडिया पर जमकर प्रचार में जुटे हुए हैं।

खास बात यह भी है कि इस बार हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव मुद्देविहीन हैं। कुछ वर्ष पहले तक हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में पार्किंग, पीने के पानी की व्यवस्था, कैंटीन व्यवस्था इत्यादि प्रमुख मुद्दे हुआ करते थे, लेकिन इस बार इन चुनाव में ये मुद्दे पूरी तरह से गायब हैं। प्रत्याशी यह गुहार तो लगा रहे हैं कि उन्हें चुना जाए, लेकिन वे यह नहीं बता पा रहे हैं कि उन्हें चुना गया तो वे वर्तमान व्यवस्था में या सुधार करेंगे। दरअसल, हाई कोर्ट में पानी, पार्किंग, कैंटीन जैसे मुद्दों का समाधान पहले ही हो चुका है।

इस बार भी हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव वन बार वन वोट सिद्धांत पर ही होंगे। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन में सदस्यों की सं या भले ही चार हजार के आसपास है, लेकिन मतदान सिर्फ 1805 सदस्य ही कर सकेंगे।

विधानसभा चुनाव के इस रिकॉर्डतोड़ मतदान ने सियासी दलों की धड़कनें बढ़ा दी है.

वोटिंग के बाद चौक-चौराहे से लेकर सियासी गलियारों तक एक ही चर्चा है कि आखिर इस वोटिंग के संकेत या है? मध्य प्रदेश में बंपर वोटिंग, कई रिकॉर्ड टूटे; 5 प्वाइंट्स में समझिए शिवराज सरकार के लिए या संकेत शिवराज सिंह चौहान की सत्ता 2018 में भी चली गई थी

हत्या, गोलीबारी और धांधली के आरोपों के बीच मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों के लिए शुक्रवार को वोट डाले गए. वोट डालने के लिए कई जगहों पर देर रात तक लोग कतारों में खड़े नजर आए. चुनाव आयोग के मुताबिक राज्य में कुल 76.2 प्रतिशत वोट पड़े, जो अब तक का रिकॉर्ड है.

2018 में 75.63 प्रतिशत तो 2013 में 72.13 प्रतिशत वोट पड़े थे. चुनाव आयोग के मुताबिक विधानसभा की करीब 85 सीटों पर 80 प्रतिशत से ज्यादा वोट पड़े हैं. सिवनी जिले के बरघाट सीट पर सबसे ज्यादा 88.2 प्रतिशत वोट डाले गए हैं.

विधानसभा चुनाव के इस रिकॉर्डतोड़ मतदान ने सियासी दलों की धड़कनें बढ़ा दी है. वोटिंग के बाद चौक-चौराहे से लेकर सियासी गलियारों तक एक ही चर्चा है कि आखिर इस वोटिंग के संकेत या हैं?

मध्य प्रदेश के चुनाव में टूटे कई रिकार्ड

- बालाघाट जिले के सोनेवानी मतदान केंद्र में सबसे कम 42 मतदाता हैं, लेकिन यहां 100 प्रतिशत मतदान हुआ है. बालाघाट ने सल बेल्ट माना जाता है और यहां दोपहर 3 बजे तक ही मतदान करवाया गया.

- पहली बार महिला वोटरों ने जमकर मतदान किया है. आयोग के मुताबिक कुल 2.72 करोड़ महिला वोटरों में से 1.93 करोड़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है.

- 2020 में बागी हुए कांग्रेस के 22 में से 14 विधायकों की सीट पर इस बार पिछली बार की तुलना में ज्यादा वोट पड़े हैं. इनमें कई मंत्रियों की सीट भी शामिल हैं. ये सभी ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ गए थे.

- पहली बार विधानसभा चुनाव में 3 केंद्रीय मंत्री और 7 सांसद मैदान में थे. 6 पूर्व मु यमंत्रियों के परिवार भी चुनाव मैदान में उतरे हुए थे.

5 प्वाइंट्स में समझिएं या है वोटिंग का ट्रेंड?

सवाल यही है कि` या मध्य प्रदेश के वोटिंग में जो बढ़ोतरी हुई है,` या वह सामान्य है? मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता नितिन दुबे कहते हैं- जिस तरह से मतदाता रात तक लंबी-लंबी कतारों में लगे रहे, इसे सामान्य नहीं कहा जा सकता है.

वे कहते हैं- यह सत्ता विरोधी लहर है और लोगों ने कांग्रेस के पक्ष में जमकर मतदान किया है. कांग्रेस पिछली बार से ज्यादा मजबूती से सरकार बनाएगी.

बीजेपी के प्रवक्ता हितेश वाजपेई इसे सामान्य बताते हुए सोशल मीडिया पर लिखते हैं, %2 प्रतिशत वोट मध्य प्रदेश के चुनाव में हर बार बढ़ता है.% वाजपेई वोट प्रतिशत बढ़ने की मु य वजह दिनों-दिन बढ़ रही जनसं या और चुनाव आयोग की जागरूकता अभियान को बताते हैं.

ऐसे में इस स्टोरी में समझते हैं कि ` या सच में वोट प्रतिशत का बढ़ना एक सामान्य राजनीतिक घटना है या कुछ खेल होने वाला है?

1. महिला वोटों से मिलेगी सत्ता की चाभी?

महिलाओं ने इस बार मध्य प्रदेश में जमकर मतदान किया है. आयोग के मुताबिक पिछली बार की तुलना में इस बार 18 लाख से ज्यादा महिलाओं ने वोट डाले हैं.

आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 2018 में 52 विधानसभा सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा वोट किया था. जानकारों का कहना है कि इस बार यह सं या 100 के पार जा सकता है.

ऐसे में महिलाओं के वोट उन सीटों पर काफी अहम रहने वाला है, जहां पर काटे या त्रिकोणीय मुकाबला है. महिलाओं को साधने के लिए बीजेपी की ओर से लाड़ली बहना योजना चलाई जा रही थी. कांग्रेस ने इस योजना की काट में नारी शक्ति योजना शुरू करने की बात कही थी.

2. सत्ता-विरोधी वोट बूथ तक जा पाए या नहीं?

आमतौर पर जब किसी चुनाव के वोटिंग में बढ़ोतरी होती है, तो जब-जब वोट प्रतिशत बढ़ता है, तब-तब सत्ताधारी दल को नुकसान होता है, लेकिन सवाल है कि` या सत्ता विरोधी वोट बूथ तक पहुंचा या नहीं?

ग्वालियर दक्षिण सीट, जहां पिछली बार कांग्रेस 111 वोटों से जीती थी. वहां इस बार वोटिंग काफी धीमा रहा. यहां के एक बूथ का वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

वीडियो में कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक जिले के कले टर से स्लो वोटिंग कराने को लेकर बहस कर रहे हैं. पाठक का आरोप है कि कले टर ने मुस्लिम इलाकों में उसे सत्ता विरोधी लहर से जोड़कर देखा जाता है. मध्य प्रदेश के संदर्भ में भी कांग्रेस इसे ही आधार बना रही है. जानकारों का कहना है कि जानबूझकर समय से वोटिंग नहीं करवाई.

दिमनी में भी कम मतदान चर्चा का विषय है. यह सीट अभी कांग्रेस के पास है, लेकिन यहां से चुनाव केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर लड़ रहे हैं.

3. स्थानीय स्तर का समीकरण काफी अहम

मध्य प्रदेश चुनाव को कवर कर रहे वरिष्ठ पत्रकार रवि दुबे के मुताबिक इस बार चुनाव में स्थानीय स्तर का समीकरण काफी महत्वपूर्ण है. एक-एक सीट का अपना समीकरण है और उसी हिसाब से आकलन होना चाहिए.

वे कहते हैं- पहले की तुलना में इस बार का वोटिंग पैटर्न काफी बदला हुआ नजर आया. लोग वोटिंग के वक्त स्थानीय कैंडिडेट को ज्यादा देख रहे थे. कई सीटों पर निर्दलीय और अन्य पार्टियों के उ मीदवार भी काफी मजबूत हैं.

दुबे के मुताबिक इस बार कई सीटों पर जीत-हार का मार्जिन काफी कम रहने वाला है. ऐसे में कौन कहां जीतेगा,यह तो मतगणना के दिन ही पता चल पाएगा.

राजनीतिक विश्लेषक मयंक शेखर मिश्रा भी स्थानीय समीकरण को काफी अहम मान रहे हैं. वे कहते हैं- ग्रामीण सीटों के मुकाबले शहरी सीटों पर वोटिंग कम हुआ है. इदौर और भोपाल की कई सीटों पर 70 प्रतिशत से भी कम मतदान हुआ है. मिश्रा आगे कहते हैं- ग्रामीण इलाकों की सीटों पर वोट बढ़ा है. ऐसे में बड़ा उलटफेर ग्रामीण इलाकों की सीटों से ही होगा. शहरी इलाकों में ज्यादा बदलाव मुश्किल है.

4. सपा और बीएसपी उ मीदवार पर भी बहुत कुछ निर्भर

दिमनी, सिरमौर, सुमावली, सतना जैसी 2 दर्जन सीटों पर बहुजन समाज पार्टी के उ मीदवार कांग्रेस और बीजेपी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. इसी तरह देवतालाब, निवाड़ी समेत 1 दर्जन सीटों पर सपा मजबूत स्थिति में है.

पिछले चुनाव में बीएसपी को 2 और सपा को 1 सीटों पर जीत मिली थी. इस बार अखिलेश यादव ने काफी मेहनत की है. बीएसपी से आकाश आनंद भी सक्रिय थे. ऐसे में सपा और बीएसपी को मिले वोट भी नतीजे को काफी प्रभावित करेगा. 2018 में सपा और बीएसपी को कुल 6.30 प्रतिशत वोट मिले थे. अगर यह 10 प्रतिशत के पार पहुंच गया, तो समीकरण काफी हद तक बदल सकता है.

5. नया वोटर किधर, यह भी जीत-हार तय करेगा

चुनाव आयोग के मुताबिक मध्य प्रदेश में इस बार 18-19 साल के 22 लाख युवा वोटर थे, जिनका नाम पहली बार मतदाता सूची में था. इन वोटरों के मुद्दे और वोटिंग के पैटर्न भी जीत-हार तय करने में अहम भूमिका निभाएगा.

मध्य प्रदेश के स्वतंत्र पत्रकार रवदीप बांगरे के मुताबिक युवा वोटरों का मु य मुद्दा फीबीज और रोजगार था. दोनों पार्टियों ने उन्हें लुभाने के लिए कई अहम घोषणाएं की.

बांगरे आगे कहते हैं- राजनीतिक परिदृश्य में काफी बदलाव आया है. नए वोटर अब खुद फैसला लेने लगे हैं और इस बार युवाओं ने बढ़ चढ़कर मतदान भी किया है. ऐसे में आप यह कह सकते हैं कि यह जिधर गए होंगे, उसकी सरकार बनती तय है.

वोट प्रतिशत बढ़ने पर इन राज्यों में` या हुआ था?

इसी साल कर्नाटक में चुनाव हुए थे, जहां 73.19 प्रतिशत मतदान हुआ था. यह 2018 के मुकाबले एक प्रतिशत ज्यादा था. वोट बढ़ने की वजह से कांग्रेस को फायदा हुआ और पार्टी अकेले दम पर सरकार बनाने में कामयाब हो गई.

रिजल्ट में 90 सीट वाली कांग्रेस 135 सीटों पर पहुंच गई. बीजेपी 75 के आसपास सिमट गई. जेडीएस को 19 सीटों पर जीत मिली.

गुजरात चुनाव के वोटिंग में कमी आई, तो सत्ताधारी दल को जबरदस्त फायदा हुआ. गुजरात में इस बार 64.25 प्रतिशत वोट पड़े थे, जो पिछली बार से करीब 3 प्रतिशत कम था.

वोटिंग प्रतिशत में गिरावट का फायदा सीधे सत्ताधारी बीजेपी को मिली. पार्टी ने रिकॉर्ड सीटों से गुजरात में जीत हासिल की.

रवीना मसराम कर्त्तव्य पथ परेड में देंगी सलामी

सिवनी यशोः-शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी की

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई से रवीना मसराम का प्रीआरडी कैंप में चयन हुआ और अब हरिद्वार (उत्तराखंड) में सहभागिता करेंगी। महाविद्यालय केबी ए प्रथम वर्ष की छात्रा रवीना मसराम द्वारा लगातार तीन चयन प्रक्रिया पहला महाविद्यालय स्तर, दूसरा जिला स्तर और तीसरा विश्वविद्यालय स्तर में उच्च स्थान प्राप्त करते हुए अब राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व प्रीआरडी कैंप 20 नवंबर से 29 नवंबर 2023 देव संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार (उत्तराखंड) में सहभागिता करेंगी। इस चयन प्रक्रिया में विद्यार्थी को लगातार चयन प्रक्रिया की पड़ाव को पास कर दिल्ली में कर्तव्य पथ पर राष्ट्रपति को सलामी दिया जाता है। जिसमें विशेष तौर पर विद्यार्थी की ड्रिल (परेड) एवं सांस्कृतिक विधाओं को देखा जाता है। रवीना ने इस सफलता का श्रेय अपनी संस्था के प्राचार्य रविशंकर नाग, एनएसएस जिला संगठन डां. डीपी ग्वालवंशी, कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर गणेश मंतारे एवं पूनम अहिरवार और अपने सीनियरों को श्रेय दिया। इस गौरव भरे क्षण में स्वयंसेविका ने विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक को आभार व्यक्त किया।

जिले का नाम रोशन करने वाली रवीना को जन समस्या निवारण संस्थान सिवनी की महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती पार्वती डहेरिया एवं संस्थान के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी है।

दिग बर जैन श्रमण संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है मयूर पिच्छिका - मुनि शाश्वत सागर

मयूर पिच्छिका परिवर्तन समारोह का हुआ भव्य आयोजन

सिवनी यशोः- सकल दिग बर जैन समाज सिवनी के तत्वावधान में परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के सुशिष्य परम पूज्य मुनि श्री शाश्वत सागर महाराज के सानिध्य में दिगंबर जैन साधुओं के संयम एवं दया का उपकरण मयूर पिच्छिका परिवर्तन समारोह वृहत आयोजन के साथ आयोजित हुआ। समारोह दीप प्रज्वलन ,मंगलाचरण व आचार्य श्री एवं मुनि श्री की सुंदर सजे अष्ट द्रव्यों से भरे थालो से पूजन के साथ प्रारंभ हुई। समारोह में मुनि श्री के चरण प्रक्षाल संजय बाझल अनमोल मैचिंग जबकि शास्त्र भेंट संतोष जैन पॉलिटेर्निक एवं संजय दास जैन मिठाई वालो के परिवार को प्राप्त हुआ। अपने उद्बोधनों मे मुनि श्री ने कहा कि मयूर पिच्छिका दिग बर जैन श्रमण संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान है। दिगंबर साधकों के संयम का उपकरण कही जाने वाली मयूर पंखों से निर्मित इस पिच्छिका को मुनि,आर्यिका, ऐलक,क्षुल्लक आदि साधक सदैव अपने साथ अपने हाथ में सूक्ष्मकाय जीवो की रक्षा के भाव से रखते है।यह

इतनी मुलायम होती है कि इसके स्पर्श से सूक्ष्म से सूक्ष्म किसी भी जीव को हानि नहीं पहुंचती।यह मयूर पंख इतना भारहीन सुकुमाल और मृदु होता है कि मानव शरीर के सबसे नाजुक कहे जाने वाले अंग आंख पर यदि पड़ जाये तो भी आंखों को यह किसी प्रकार की बाधा नही पहुंचाता अपितु एक सुखद एवं कोमल अहसास अवश्य करा जाता है मयूर पंख पर धूल, पसीने आदि का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ता हैं। इस संयम के उपकरण के बगैर साधक सात कदम से अधिक आगे नहीं बढ़ सकता।इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री ने बताया की जिस तरह मनुष्य के शरीर मे केशो में वृद्धि होने पर उन केशो को हज्जाम के माध्यम से कटवाकर व्यवस्थित कराया जाता है उसी प्रकार इन पंखों के बढ़ जाने पर जब मयूर को उड़ने और चलने में बाधा आने लगती है तो वह स्वयं अतिरिक्त पंखों को भूमि पर छोड़ देता है । इन्हीं प्राकृतिक तरीको से प्राप्त पंखों का उपयोग पिछि के निर्माण में किया जाता है।

इस अवसर पर समाज अध्यक्ष मिलन बाझल ने समाज की और से कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि मुनि श्री का चातुर्मास व्यर्थ के प्रदर्शनों और आडंबरों से दूर विविध धार्मिक आयोजनों के साथ पूर्ण सादगी और पारंपरिक विधि विधान के साथ संपन्न हुआ ।महाराज जी ने पूरे चातुर्मास में मात्र और मात्र व्रत,उपवास,साधना एवं शास्त्रों का स्वाध्याय ही किया है।इस अवसर पर पूज्य श्री के करकमलों से पूरे साल भर स्पर्शित अनंतो जीवो की रक्षा करने वाली मयूर पिच्छिका जैन समाज के प्रतिष्ठित सदस्य श्री नरेंद्र जैन पुलिस विभाग ,श्रीमती अनीता जैन रिलायंस टॉवर को मुनि श्री से ग्रहण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने अनेक व्रत नियम पूज्य श्री से आगामी जीवन की पवित्रता हेतु ग्रहण किए। पूज्य श्री की नवीन पिच्छिका का अनावरण उनके ग्रहस्थ अवस्था के परिजनों द्वारा किया गया जबकि मुनि श्री को नई पिच्छिका भेंट करने का सौभाग्य समाज के सभी व्रती जन व चातुर्मास के विशिष्ट सहयोगियों को प्राप्त हुआ।उल्लेखनीय है कि इस समारोह में वर्षायोग कलश के मु य पुण्यार्जक श्री अनिल नायक,निर्मल बाझल,संजय दास जैन मिठाई वाले,सेठ प्रभात जैन एवं नरेश दिवाकर पूर्व विधायक सहित सभी परिवारों का शाश्वत अभिनंदन कर उन्हे मंगल कलश प्रदान किए गए।

सभा के अंत में चातुर्मास प्रवास में हुई ज्ञात अज्ञात भूलो एवं गलतियों के लिए जनरल सेक्रेटरी संजय नायक ने मुनिश्री से पूरी जैन समाज की और से क्षमा याचना की । सभा का मंच संचालन पारस जैन ने किया। मध्यान्ह में मुनि श्री का पद बिहार गुरूकुल मंदिर लुघरवाड़ा के लिए हुआ ।अभी कुछ दिन मुनि श्री का यहां प्रवास रहेगा।

एटीएम कार्ड चोरी कर निकाते रहा राशि, पुलिस के हत्थें चढ़ा असलम

सिवनी यशोः-जिले में एटीएम कार्ड चोरी कर पैसे निकालने वाले एक व्यक्ति को क्षेत्रवासियों ने पकड़ पुलिस के सुपुर्द किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिवनी में कुछ एटीएम चोर गिरोह सक्रिय है। जो लोगों के एटीएम धोखे से लेकर राशि निकाल रहे हैं। इन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस भी सक्रिय नजर आ रही है। इसी कड़ी में पुलिस के हत्थे धारनाकला में एक व्यक्ति रंगे हाथों चोरी किए हुए एटीएम कार्ड से राशि निकालते हुए पकड़ाया है। धारना कलां स्थित इंडियन बैंक के एटीएम के समीप ग्रामवासियों ने एटीएम चोर को पकड़ा । जिसके पास से लगभग 20 एटीएम कार्ड क्षेत्र से चोरी करने की बात कबूल की है। पूछताछ में एटीएम चोर ने अपना नाम असलम निवासी ग्राम गंगेरूआ अरी बताया। ग्रामवासियों ने थाना बरघाट को सूचना दी और आरोपी को पकड़कर बरघाट पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने आरोपी असलम के पास से 20 एटीएम कार्ड जब्त कर लिये है।

सड़क हादसे में तीन घायल : दो जबलपुर रेफर

सिवनी यशोः- घंसौर जिले में रामपुरी के पास एक सड़क हादसा हो गया। दो बाइक आपस में टकरा गई जिसमें तीन लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने 108 वाहन और पुलिस को घटना की जानकारी दी। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। दो को डॉ टर ने मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया है।घायलों में 27 वर्ष के अजय धुर्वे, 25 वर्ष के मोहनलाल ककोडिया और 19 वर्षीय रोहन लाल ककोडिया शामिल है। पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच करते हुए स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है

ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर 4 हुये चोटिल

सिवनी यशोः-सिवनी जिले के धूमा थाना क्षेत्र अंतर्गत मोहगांव के समीप एक सड़क हादसा हो गया। जहां मिनि ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर मारकर मिनी ट्रक पलट गया। इस हादसे में बाइक सवार महिला-पुरुष व 2 बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया।

स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस एवं 108 वाहन में दी। जहां पुलिस मौके पर पहुंच गई। और घायलों के संबंध में जानकारियां जुटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में दो लोगों की हालत नाजुक है। जिन्हें मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस द्वारा लोगों से पूछताछ की जा रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि हादसा कैसे हुआ। जिसमें 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में जबलपुर से सिवनी तरफ आ रहा आइसर वाहन भी बाइक को टक्कर मारने के बाद पलट गया है। इस मामले में थाना प्रभारी आशीष जेतवर का कहना है कि घायलों में जबलपुर रेफर किया गया है। ट्रक की जब्त किया गया है। और घायलों के बारे में पता किया जा रहा है।

कलार समाज ने धूमा मे मनाई सहस्त्रबाहु भगवान का जयंती

सिवनी यशोः- राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु अर्जुन जी का जन्मोत्सव सभी कलचुरी समाज बंधुओ के द्वारा बड़ी धूम धाम से मनाया गया भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रबाहु जी के जन्मोत्सव पर संपूर्ण देश सहित सिवनी जिला के उप नगर धूमा, लखनादोंन मे रविवार 19 नवंबर को हर्षोल्लास के साथ कलचुरी कलार समाज द्वारा मनाया भगवान राजराजेश्वर जी के चित्र के समक्ष अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर भगवान की आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम रखें और देशहित और समाज हित के लिए भगवान राज्यराजेश्वर से प्रार्थना कर कामना की गयी कि हमारा देश उन्नति के शिखर पर पहुंचे समाज हमारा उन्नति के शिखर पर पहुंचे ऐसी कामना भगवान राज राजेश्वर से समस्त आत्मीय स्वजातीय बंधुओ द्वारा आज कलचुरी कलार समाज धूमा में जयंती समारोह के दौरान दोपहर 1 बजे से फाइनल मैच भारत ऑस्ट्रेलिया का बड़े पर्दे (hd

screen) में मैच का कल्चुरी गार्डन धूमा में अयोजन का भी प्रबंध किया गया है जिसमे सभी स्वजातीय बंधुओ से निवेदन है कि कार्यक्रम के साथ साथ विश्वकप के फाइनल मैच का भी आनंद लेवे बही शाम 6 बजे से हमारे आराध्य भगवान् के समुख् दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया गया बही बच्चों के सांसक्रतिक कार्यक्रम, महाआरती, दिवंगत सामाजिक परिजन स मान , चौपाटी भोजन प्रसादी का सापरिवार आयोजन रखा गया है आप सभी सामाजिक जन बड़ी सं या मे उपस्थिति रहे जिसमे धूमा, धनककड़ी, घुरवाडा, लखनादोंन से सेकड़ो की सं या में कलार समाज के सामाजिक जन महिला पुरुष बच्चे बड़ी सं या में उपस्थित रहे

सिवनी में मतदान के लिए दिखा भारी उत्साह

सिवनी यशोः-लोकतंत्र को मजबूत करने मतदाताओं ने शुक्रवार को सुबह से घरों से बाहर निकलकर अपना दम दिखाया। मतदान का नया कीर्तिमान बनाते हुए जागरूक मतदाताओं ने चुनावी महापर्व में बढ़चढ़कर अपनी भागीदारी निभाई। महिला-पुरूषों के साथ बुजुर्गों, दिव्यांगों औरयुवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

एक दिसंबर से 19 जनवरी तक किया जाएगा धान उपार्जन, सिवनी में 62 हजार 790 किसानों का पंजीयन

धान उपार्जन के लिए जिले में इस बार 62790 किसानों ने पंजीयन कराया है। पिछ्ले साल 70 हजार किसानों ने पंजीयन किया था।

एक दिसंबर से 19 जनवरी तक किया जाएगा धान उपार्जन

उपार्जन के लिए इस बार 62790 किसानों ने कराया पंजीयन

सिवनी यशोः- जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य एक दिसंबर से 19 जनवरी तक किया जाएगा। खरीदी की तैयारियों के लिए प्राथमिक स्तर पर केंद्र बनाने का काम शुरू हो गया है। नई योजना के तहत इस बार केंद्र प्रभारियों को पोर्टल पर फोटो के साथ यह जानकारी देनी होगी कि उनके केंद्र में` या- या व्यवस्थाएं रहेंगी। पूर्व में सुविधाएं बनाने के लिए निर्देश दिए जाते रहे थे, लेकिन केंद्र प्रभारी कई सुविधाएं नहीं रखते थे। धान उपार्जन के लिए जिले में इस बार 62790 किसानों ने पंजीयन कराया है। पिछले साल 70 हजार किसानों ने पंजीयन किया था। वर्तमान में किसानों के खाते में एक रुपये का ट्रांजे शन किया गया तो 592 किसानों का बैंक खाता आधार से लिंक नहीं होने व अन्य त्रुटियों के कारण रुपये **का भुगतान फेल हो गया है।**

खरीदी केंद्रों में ये होंगी सुविधाएं

इस मामले में विभाग का कहना है किसानों को बैंक खाता में ई-केवायसी कराना होगा ताकि बैंक खाते में भुगतान की कार्रवाई की जा सके। पिछ्ले साल भी कई किसानों के बैंक खातों में ई केवायसी नहीं होने से भुगतान की कार्रवाई नहीं पाई थी। खरीदी केंद्रों में बायोमेट्रिक डिवाइस, उपार्जन केंद्र बैनर, पेयजल, जनसुविधा, हेल्प डेस्क, प्रशासकीय हाल, ड्रेनेज की सुविधा, गुणवत्ता परीक्षण कक्ष, उपकरण, प्रतीक्षा कक्ष, अनलोडिंग क्षेत्र, अनाज तौल मशीन, बिजली, पंजीयन सेंटर, इंटरनेट आदि होना चाहिए। हालांकि कई केंद्र प्रभारी पेयजल, हेल्प डेस्क, प्रतीक्षा कक्ष की सुविधाए नहीं बनाते हैं। इससे किसानों को परेशान होना पड़ता है। जिस खरीदी केंद्र में 500 मीट्रिक टन से कम की धान की आवक होने की संभावना होगी उन केंद्रों को बड़े केंद्रों से जोड़ा जाएगा यानी वे केंद्र भी पास होना चाहिए। इस बार कामन धान का 2183 और ग्रेड ए की धान का समर्थन मूल्य 2203 रुपये प्रतिक्विंटल है।

चुनाव पार्टियों को लेकर गये वाहनों के चालक परिचालक मतदान से वंचित

सिवनी यशोः- जिले के सुदूर आदिवासी नर्मदांचल ग्राम झिंझरई निवासी समाजसेवी नारायण बैजनाथ सिंह पटेल ने अपने गृहग्राम के से टर झिंझरई बूथ 57 में सपरिवार वोटिंग किए और शेष बचे वोटरो की जानकारी से पता चला की बस गाड़ी चुनाव में लगी है। इसलिए ड्राइवर मतदान वोटिंग नही कर पाए जबकि निर्वाचन में ड्यूटीरत सरकारी कर्मचारियों से वॉलेट पेपर प्रदान कर वोटिंग करा लेते है। परंतु इन बहुमूल्य सेवा देने वाले प्राइवेट बस गाड़ी ड्राइवर को वॉलेट पेपर से भी वोटिंग नही करना मताधिकार से वंचित किया गया। यह जांच का विषय है, इससे मेरे ग्राम का प्रतिशत के साथ पूरे मध्यप्रदेश में प्रतिशत कम हुआ और इतनी बहुमूल्य सेवा देने वाले ड्राइवर संचालक के साथ धोखा किया गया। इनको वोटिंग कराए जाने को मांग समाज सेवी नारायण बैजनाथ पटेल ने महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मु य निर्वाचन आयुक्त भारत सरकार दिल्ली और मु य निर्वाचन आयुक्त मध्यप्रेश शासन भोपाल को पत्र लिखकर की है।

भारतीय जनता पार्टी ने राजनगर विधानसभा क्षेत्र में हुई घटना के संबंध में चुनाव आयोग से की शिकायत

20 पार्टी कार्यकर्ताओं व 15 अज्ञात पर बिना सबूत के पुलिस ने दर्ज किया हत्या का मामला- विष्णुदत्त शर्मा

भोपाल, दिनांक 19/11/2023। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने छतरपुर जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले हुई घटना को लेकर चुनाव आयोग एवं पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने राजनगर में भाजपा के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 लोगों पर बिना जांच के हत्या का मामला दर्ज करने और आचार संहिता के दौरान बिना अनुमित के कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा धरना पदर्शन करने पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की। भाजपा प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी जुगलकिशोर शर्मा, जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, निर्वाचन विभाग के प्रदेश संयोजक एस.एस. उप्पल, विधि प्रकोष्ठ के सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा एवं एडव्होकेट सुनील गुप्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेसी मानसिकता के अधिकारी हैं थाना प्रभारी व एसपी

ज्ञापन में कहा गया है कि खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे और छतरपुर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी कांग्रेसी मानसिकता के होने के कारण कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी विक्रम सिंह

नातीराजा के प्रभाव में आकर उनको राजनीतिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से भाजपा प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने के लिए षडयंत्र में शामिल होकर झूठा प्रकरण दर्ज किया है।

कांग्रेस प्रत्याशी व उनके समर्थकों ने राजनीतिक लाभ लेने सलमान पर चढ़ाई है कार

मु य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि घटना स्थल पर विक्रम सिंह नातीराजा और उनके ड्राइवर सलमान खान द्वारा मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के समय सलमान द्वारा बंदूक से फायर किया गया था। सलमान एवं उसके साथी गाड़ी के ऊपर चढकर मारपीट कर रहे थे, गाड़ियों के कांच फोड़े गये एवं बंदूक, लाठी-डंडां के साथ धारदार हथियारों से हमला किया गया। विक्रम सिंह नातीराजा, उनके ड्राइवर सलमान व उनके समर्थकों की लापरवाही एवं उत्तेजना पूर्वक कार्य से उक्त घटना घटित हुई है। इसके बाद विक्रम सिंह नातीराजा द्वारा अपने साथियों के साथ मिलकर सलमान के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, ताकि घटना को राजनीतिक रंग दिया जा सके, जिसके लिए वे स्वयं जि मेदार हैं।

शव पर राजनीति कर रहे दिग्विजय सिंह

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कांग्रेस नेता आचार संहिता के बावजूद आखिर किसकी अनुमति से धरना प्रदर्शन खजुराहो थाने के सामने धरना दे रहे है। शव पर राजनीति की जा रही है। कमनलाथ और दिग्विजय सिंह को पता चल गया है कि वो चुनाव हार रहे हैं। उसकी खीझ के लिए दोनों मिलकर इस तरह के राजनीतिक हथकंडे अपना रहे है। श्री शर्मा ने कहा कि आचार संहिता के दौरान जो बिना अनुमति के धरना दे रहे हैं उन पर और जिन्होंने अनुमित दी है, उन पर भी कार्रवाई की जाए।

20 पार्टी कार्यकर्ताओं सहित 35 लोगों पर बिना जांच के हत्या का मामला दर्ज किया

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने कांग्रेस नेताओं के दबाव में भारतीय जनता पार्टी के 20 कार्यकर्ताओं सहित 35 पर बिना जांच के हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। यह देश का ऐसा पहला मामला है, जहां दुर्घटना पर बिना जांच के 35 लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। श्री शर्मा ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने भेदभाव पूर्ण का रवैया अपनाकर झूठा मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले की जांच होनी चाहिए और अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि मैं घटना पर संवेदना व्यक्त करता हूं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं पर प्राण घातक हमला किया गया। उनके ड्राइवर की मौत पर आशंका है कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए नातीराजा के गुंडों ने ही ड्राइवर की अपनी गाड़ी से कुचल करके हत्या कर दी इसकी कड़ी जांच होनी चाहिए।

भाजपा कार्यकर्ता की शिकायत पर न जांच, न एफआईआर

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी व उनके समर्थकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं की कार पर चढ़कर तोड़फोड़ कर मारपीट की। हमले में भाजपा कार्यकर्ता घायल भी हुए हैं, लेकिन खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे ने भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्री नीरज चतुर्वेदी की शिकायत पर न तो घायल कार्यकर्ताओं का मेडिकल कराया और न ही कोई प्रकरण दर्ज किया। भाजपा कार्यकर्ताओं की टूटी-फूटी गाड़ियों का कोई तकनीकी परीक्षण भी नहीं करवाया गया। खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे और छतरपुर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी की प्रशासनिक बदनीयती के साथ कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से भाजपा प्रत्याशी एवं उनके समर्थकों के विरुद्ध बिना किसी जांच के अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया, इससे स्पष्ट दिखाता है थाना प्रभारी खजुराहो कांग्रेस के एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं।

मु य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने सौंपे ज्ञापन में कहा है कि 17/11/2023 छतरपुर जिले के राजनगर विधानसभा क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना को कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा द्वारा राजनीतिक लाभ लेने के लिए भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटैरिया व पार्टी कार्यकर्ताओं पर झूठा प्रकरण दर्ज कराया गया है। ज्ञापन में भाजपा ने कहा कि उक्त घटना स्वयं कांग्रेस के प्रत्याशी विक्रम सिंह नातीराजा एवं उनके साथियों द्वारा कारित की गई हैं। दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति विक्रम सिंह नातीराजा का समर्थक होने से खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे व छतरपुर पुलिस अधीक्षक अमित सांधी द्वारा भेदभाव पूर्वक कार्रवाई करते हुए बिना किसी अनुसंधान, बिना साक्ष्य की जांच के प्रकरण धारा 302, 307,147,149,294 व 506 भारतीय दंड संहिता अंतर्गत दर्ज किया गया है। जबकि उक्त दुर्घटना वाहन दुर्घटना होने से प्रकरण भारतीय दंड संहिता की धारा 279, 337, 338 या 304-ए अंतर्गत पंजीबद्ध किया जाना था।

बिना अनुमति कांग्रेस के धरने को दी मौन स्वीकृति

पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौंपने के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि चुनाव आचार संहिता अंतर्गत कानून व्यवस्था बनाए रखने का दायित्व संबंधित थाना प्रभारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला प्रशासन का होता है, परंतु कांग्रेस के प्रभाव में आए पुलिस अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारियों ने बिना अनुमति दिए गए कांग्रेस नेताओं के धरने के खिलाफ कोई कार्रवाई न कर उसे मौन स्वीकृति दी गई। पुलिस अधिकारियों के इस कृत्य से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है और शांति भंग हो रही है। क्षेत्र के निवासियों में भय, असुरक्षा का मौहाल है। जिसके कारण धरना दे रहे कांग्रेस नेताओं के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए। निष्पक्ष जांच होने तक खजुराहो थाना प्रभारी संदीप खरे और छतरपुर एसपी अमित सांघी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए। साथ ही घटना की निष्पक्ष जांच कर कांग्रेस प्रत्याशी के विरूद्ध भाजपा कार्यकर्ताओं पर किए गए हमले व वाहन दुर्घटना को लेकर आईपीसी की धारा 304ए के तहत अपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए।

टीमवर्क से ही बड़े-बड़े कार्यो में सफलता मिलती है - डीईओ ड़ॉ. मिश्रा

किसानों का सत्यापन और पंजीयन की समीक्षा मैराथन मार्ग की सफाई और साइड शोल्डर पर होगा कार्य

बालाघाट । कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ड़ॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने सफल निर्वाचन की सभी जिला अधिकारियों को टीएल बैठक में बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी बड़े-बड़े कार्य टीम वर्क से ही सफल होते है। जिले की 6 विधानसभाओं में शांतिपूर्ण मतदान होना ये टीम वर्क का ही परिणाम है। ये इले शन मेरे अकेले का कार्य नही था। आप सभी ने अपनी मेहनत के बल पर सफल कर दिखाया है। पूरी टीम को बधाई। इसके बाद उन्होंने धान उपार्जन के कार्यो की समीक्षा करते हुए किसानों के सत्यापन, बारदाना, गोडाउन और परिवहन के स बंध में स बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। खाद्य आपूर्ति अधिकारी श्रीमती ज्योति बघेल आर्य ने कहा कि जिले में एक लाख 16 हजार 547 किसानों ने पंजीयन कराया है। जिले में खरीदी केंद्रों की स्थापना के लिए कार्यवाही की जा रही है। उस वर्ष 2183 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर धान उपार्जित किया जाएगा। कले टर ड़ॉ. मिश्रा ने बारदाने की व्यवस्था तथा धान स्टोरेज के लिए आंकलन के अनुसार शासकीय व निजी कैप की व्यवस्थाओं के लिए बैठक करने के निर्देश दिए है। टीएल बैठक में जिपं सीईओ डीएस रणदा सहित समस्त जिला अधिकारी सभागृह में तथा अनुभाग स्तरीय अमला लिंक के माध्यम से जुड़े।पेंशन के लंबित प्रकरणों की समीक्षाकले टर ड़ॉ. मिश्रा ने बैठक के दौरान पेंशन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी प्रकरणों को शीघ्रता से निराकृत करने के तथा पेंशन के पीपीओ जारी करने के स बंध में भी निर्देशित किया है। साथ ही अनुकंपा के लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते हुए निराकरण की अपडेट जानकारी मांगी गई। प्राकृतिक आपदा के प्रकरणों के मामलें में उन्होंने निर्देश दिए कि नगद और शिकायतों का निराकरण होना चाहिए।कान्हा के लिए तैयार रहेंकले टर ड़ॉ. मिश्रा ने सभी जिला अधिकारियों से कहा कि कान्हा मैराथन की तैयारी में जुट जाएं। विभिन्न समितियों में शामिल नोडल अधिकारी और अन्य अधिकारी हर एक संभावनाओं के लिए ततपर रहे। ये बालाघाट जिले के लिए बेहतर अवसर है। जिन विभागों को दायित्व सौंपा गया है। उस पर खरा उतरे। कान्हा मैराथन के स बंध में विस्तृत तैयारियों के लिए मंगलवार को 1200 बजे से एमपीटी होटल बैहर (मुक्की) में बैठक रखी गई है। बैठक में कान्हा मैराथन से संबद्ध सभी नोडल अधिकारी, एसडीएम बैहर, जिला खेल अधिकारी एवं उनसे संबंधित प्रशिक्षक, होटल से स बन्धित प्रतिनिधि इत्यादि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

चंदन से महकेगा सिवनी का जंगल रोपे जाएंगे पौधे

सिवनी यशोः- वन व्रतों के क्षेत्रीय सीसीएफ एवं वन मंडलों के डीएफओ को वर्ष 2024 - 25 में वन में चंदन के पौधे रोपने के निर्देश जारी किए गए हैं जिसमें यह वन क्षेत्र चंदन से महक जाएं दिशा निर्देशों में कहा गया है कि क्षेत्र का चैनलिंग फेंसिंग के साथ लकड़ी के खंभे बास पोल से घेराव किया जाए । प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदन रोपण हेतु स्थल में जल भराव नहीं होना चाहिए मुरमुरी रेतीली व बालू मिट्टी वाला क्षेत्र चंदन रोपण के लिए उपयुक्त है क्षेत्र में तीन मीटर गुना तीन मीटर के अंतराल में स्थानीय स्थिति के अनुसार नरम मिट्टी में 30 सेंटीमीटर गुणित 30 सेंटीमीटर अथवा कड़ी मिट्टी में 45 सेंटीमीटर गुना के गड्ढे खोदे जाएंगे

वर्मी कंपोस्ट और डीएपी खाद का करें उपयोग

गाडो में 250 ग्राम वर्मी कंपोस्ट 2 किलोग्राम सड़ी खाद एफ वाय एम 100 ग्राम नीम केक एवं बाकी गाडो से निकली हुई मिट्टी डाली जाएगी नींदाई के साथ 50 ग्राम डीएपी खाद डाली जाएगी आगामी वर्षों में

आवश्यकता अनुसार खाद का प्रयोग किया जाएगा ताकि चंदन के पौधे प्रारंभिक तीन-चार साल पार्शियल रूट पैरासाइट होते हैं इसलिए इसके होस्ट प्लांट हेतु अरहर व तुलसी दोनों को गुड्ड से 6- 7 इंच की दूरी पर पौधे एक तरफ 7 इंच की दूरी पर अरहर रोपित किया जाएगा अर्थात चंदन की दूसरी तरफ तुलसी के पौधे रोपे जाएंगे कीटों का प्रकोप होने पर ` लोरो पाई रिफास्ट का उपयोग करना है यदि फफूंद का प्रकोप हो रहा है तो डीथानेएम 45 नीला थोथा एवं चूने के मिश्रण का उपयोग किया जाएगा संयुक्त वन प्रबंधन समितियां का सहयोग लें दिशा निर्देशों में आगे कहा गया है कि संयुक्त वन प्रबंधन समितियां के सहयोग से कार्य संपादन व क्षेत्र की सुरक्षा की जाएगी पूरा प्राक्कलन एवं तकनीकी स्वीकृति हेतु 7 वर्षीय परियोजना प्राक्कलन तैयार करके स्थल बार प्रोजे ट रिपोर्ट तैयार की जाए तकनीकी स्वीकृति जारी होने के बाद ही कार्य कराए जाएंगे फेंसिंग हेतु क्रय की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता एवं भंडार क्रय नियम का पालन सुनिश्चित किया जाएगा अप्रैल 2024 में प्रचलित मजदूरी दलों के अनुसार राशि का आवंटन किया जाएगा चंदन वृक्षारोपण क्षेत्र का आकलन लगाए गए पौधों की सं या के आधार पर होगा अर्थात 1100 पौधे का एक हे टर माना जाएगा उदाहरण स्वरूप यदि 10 हे टर सकल क्षेत्र में कुल 8800 पौधा लगाए गए हैं तो उसे 8 हे टर नेट मानकर दर निर्धारित होगी अनु श्रवण एवं मूल्यांकन विभागीय निर्देश के अनुसार क्षेत्र का अनुसरण एवं मूल्यांकन कराया जाएगा सभी स्थलों को आवश्यक रूप से विभागीय वृक्षारोपण मॉनिटरिंग सिस्टम एवं इग्रीन वॉच पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा कट बैंक बीज बुवाई एवं प्राकृतिक पुनरु उत्पादन के फल स्वरूप प्राप्त पौधों के परिणाम का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण किया जाएगा परिणाम के आकलन करने के लिए कार्य प्रारंभ करने के पूर्व बैच मार्किंग हेतु चयनित क्षेत्र में पुनरु उत्पादन एवं वन सनिधि का सर्वेक्षण किया जाएगा।

चंदन बगीचे के लिए प्रसिद्ध है

ज्ञातव्य है कई सिवनी से कटंगी मार्ग पर स्थित आमागढ़ के निकट चंदन बगीचे के रूप में प्रसिद्ध नर्सरी यहां पर लगभग 100 वर्षों से स्थापित है जिसे अंग्रेजों ने स्थापित किया था लेकिन वर्तमान में यहां पर नाम मात्र के ही झाड़ रह गए हैं इसी तरह लखनादौन क्षेत्र के धूमा में बनाई गई हर्बल गार्डन एवं ठेल नदी के पास चंदन के बगीचे के रूप में विकसित किया गया था लेकिन देखरेख के अभाव में यहां पर यह बगीचा समाप्त हो गया लेकिन वन विभाग की इस योजना को अगर सही तरीके से क्रियान्वित किया जाता है तो सिवनी को चंदन बगीचे के रूप में खोई हुई स्मिता पुनः वापस मिल सकती है और सिवनी के जंगल चंदन से महक सकते हैं।

झंडा दिवस 25 नवंबर तक

19 नवंबर से 25 नवंबर तक मध्य प्रदेश सरकार कौमी एकता सप्ताह और विश्व धरोहर सप्ताह मनाने जा रही है। कौमी एकता सप्ताह के तहत शांति, एकता, सद्भाव और राष्ट्रीय अखण्डता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियाँ की जायेंगी। तो वहीं 25 नव बर को झण्डा दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

मंडला यशोः- राष्ट्रीय सा प्रदायिक सदभाव प्रतिष्ठान द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी झंडा दिवस 19 से 25 नवंबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। सप्ताह के उपांतिम दिवस 24 नवंबर 2023 को लैग-डे मनाया जाएगा। देश के सा प्रदायिक सद्भाव के लिए विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान जिला प्रशासन, स्कूल शिक्षा विभाग, गैर सरकारी संगठन तथा स्वायत संस्थाओं द्वारा सेमीनार, वित्तीय साक्षरता जैसी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

मतगणना की तैयारियों के संबंध में बैठक आज

मंडला यशोः-विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के तहत मतगणना की तैयारियों के संबंध में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में 21 नवंबर को प्रातः 11 बजे से गोलमेज सभाकक्ष में बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में विधानसभा निर्वाचन के तहत अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी। संबंधितों को आवश्यक जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

कई बीमारियों की निःशुल्क जाँच

सिवनी यशोः- नगर के सुभाष वार्ड में स्वास्थ्य अमले द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यहां एचआईवी, स्किलसेल, हेपेटाइटिस, मलेरिया सहित कई बीमारियों की जांच निःशुल्क की गई। वही स्वास्थ्य अमले द्वारा लोगों को समझाइए दी गई की किसी भी तरह की बीमारी में लापरवाही न बरते। लोगों को सीजनल बीमारी की दवाई भी दी गई।

लोगों से कहा कि बीमारी होने पर शीघ्र स्वास्थ्य केंद्र जाकर चेकअप कराएं। जांच के बाद यदि कोई मारी सामने आती है तो उसका उपचार नियमित रूप से लें। लापरवाही बरतने से बीमारियां बढ़ जाती हैं। बड़ी समस्या का सामना लोगों को करना पड़ता है। इस स्वास्थ्य शिविर में महिला, पुरुष, बच्चों ने जांच कराई। कुछ गंभीर बीमारी से ग्रस्त बीमारों को जिला चिकित्सालय में उपचार के लिए सलाह दी गई।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिस बर

प्रदेश के 16 जिलों में बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो की खुराक

भोपाल यशोः- प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिस बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वै सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मु यालय में राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई।

टास्क फोर्स की बैठक में महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डायरे टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शु ला ने टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को अभियान में दी गई जि मेदारियों से अवगत कराया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अभियान के सफल संचालन के लिये सुझाव भी दिये।

बैठक में बताया गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

जिले में कुल 82.16 प्रतिशत हुआ मतदान

विगत विधानसभा चुनाव से 3.94 प्रतिशत ज्यादा हुई वोटिंग

मंडला यशोः- विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के लिए मंडला जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवंबर को शांतिपूर्ण रूप से मतदान संपन्न हुआ है। तीनों विधानसभा के मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए खासा उत्साह देखा गया। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के कुल 7 लाख 90 हजार 998 मतदाताओं में से 6 लाख 49 हजार 886 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 3 लाख 20 हजार 775 पुरूष एवं 3 लाख 29 हजार 97 महिलाएं तथा 14 अन्य मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार विधानसभा आम निर्वाचन-2023 में जिले का कुल मतदान प्रतिशत 82.16 रहा। विगत विधानभा चुनाव में कुल 78.22 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस वर्ष विगत चुनाव की तुलना में 3.94 प्रतिशत ज्यादा वोटिंग हुई है। इस संबंध में जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार बिछिया विधानसभा में कुल 2 लाख 59 हजार 161 मतदाताओं में से 2 लाख 12 हजार 622 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 1 लाख 4 हजार 796 पुरूष एवं 1 लाख 7 हजार 822 महिलाएं तथा 4 अन्य मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार बिछिया विधानसभा का कुल मतदान 82.04 प्रतिशत है। निवास विधानसभा में कुल 2 लाख 63 हजार 912 मतदाताओं में से 2 लाख 16 हजार 664 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 1 लाख 6 हजार 506 पुरूष एवं 1 लाख 10 हजार 151 महिलाएं तथा 7 अन्य मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार निवास विधानसभा का कुल मतदान 82.10 प्रतिशत है। मंडला विधानसभा में कुल 2 लाख 67 हजार 925 मतदाताओं में से 2 लाख 20 हजार 600 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 1 लाख 9 हजार 473 पुरूष एवं 1 लाख 11 हजार 124 महिलाएं तथा 3 अन्य मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार मंडला विधानसभा का कुल मतदान 82.34 प्रतिशत है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जताया आभार कले टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने ज़िले में बेहतर एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए जिले के सभी मतदाताओं को ज़िला प्रशासन की तरफ़ से शुभकामनाएं देते हुए आभार जताया है। उन्होंने शांतिपूर्ण निर्वाचन संपन्न कराने में सहयोग करने वाले सभी प्रशासनिक और पुलिस अमले को बधाई दी है। कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने मतदाता जागरूकता गतिविधियां और निर्वाचन कार्यों में सकारात्मक सहयोग के लिए जिले के इले ट्रॉनिक, प्रिंट, डिजीटल मीडिया के प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए आभार व्यक्त किया है।

जिले की ईवीएम मशीन सशस्त्र बल की दोहरी परत में सुरक्षित

बालाघाट। बालाघाट में चुनाव के पूर्व पॉलिर्टे नक कॉलेज बालाघाट का स्ट्रॉग रूम बनाया गया था। स्ट्रॉग रूम पॉलिर्टे नक कॉलेज बालाघाट से ही जिले की समस्त 06 विधानसभा के कुल 1675 मतदान केंद्रो पर लगे मतदान दल को ईवीएम मशीन आवंटित की गई। जिनमें वीवीपेट, कंट्रोल यूनीट, प्रोसेसिंग यूनीट मशीन स मिलित है। 17 नव बर को मतदान के उपरान्त सभी 1675 मतदान केंद्रो से मतदान दलों के द्वारा ईवीएम मशीन पुनः स्ट्रॉग रूम में जमा कराई गई जिन्हे विधानसभा के अनुसार पृथक-पृथक कक्षों में रख कर सीलबन्द किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले के पॉलिर्टे नक कॉलेज मे बनाए गए स्ट्रॉग रूम को दोहरी लेयर सुरक्षा से सुरक्षित किया गया है। स्ट्रॉग रूम के बाहरी हिस्से में विशेष सशस्त्र बल को तैनात किया गया है तथा स्ट्रॉग रूम के आंतरिक हिस्से में सीआरपीएफ का एक प्लाटून तैयार किया गया है जो 24 घण्टे स्ट्रॉग रूम पर पैनी नज़र रखते हुए दोहरी लेयर में सुरक्षा कर रहे है। स्ट्रॉग रूम का आंतरिक हिस्सा पूर्णतः सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्ट्रॉग रूम की पारदर्शिता बनाए रखने के लिये प्रमुख दलों के प्रतिनिधि, अधिकृत प्रत्याशी एवं एजेण्ट के द्वारा असामयिक स्ट्रॉग रूम की चैकिंग करने का प्रावधान है। स्ट्रॉग रूम परिसर मे आगंतुक रजिस्टर रख कर आने-जाने वाले व्यक्ति का रिकार्ड भी संधारण किया जा रहा है।

ऐतिहासिक रहा विधानसभा निर्वाचन शांतिपूर्ण और सुरक्षित मतदान में हर वर्ग के मतदाताओं में रहा पूरा उत्सव युवा मतदाताओं से लेकर तीसरी पीढ़ी तक के मतदाताओं ने दी आहुति

प्रदेश में बालाघाट की सबसे चर्चित विधानसभाओं में रिकार्डतोड़ मतदान प्रतिशत के साथ ऐतिहासिक शत प्रतिशत सुरक्षित और शांतिपूर्ण मतदान स पन्न हुआ।

बालाघाट। प्रदेश में बालाघाट एकमात्र ऐसा जिला रहा जहां मु य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा सुरक्षा के लिहाज से हेलीका टर तथा एयर ए बुलेंस उपलब्ध कराई थी। जिले की तीन विधानसभाओं बैहर, लांजी और परसवाड़ा में सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक मतदान का निर्णय सफल रहा। ने सल प्रभावित विधानसभाओं के गंभीर मतदान केंद्रों पर निगरानी के लिए कले टर व जिला निर्वाचन अधिकारी ड़ॉ. गिरीश कुमार मिश्रा और एसपी श्री समीर सौरभ द्वारा हेलीका टर के जरिये हवाई निरीक्षण भी किया गया।आसमान से भी ने सल प्रभावित क्षेत्रों पर रखी नजरमु य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा ने सल प्रभावित मतदान केंद्रों पर नजर रखने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय में हेलीका टर उपलब्ध कराया गया था। साथ ही मेडीसिन के लिए एयर ए बुलेंस भी प्रदाय की गई थी। कले टर व जिला निर्वाचन अधिकारी ड़ॉ. मिश्रा और एसपी श्री सौरभ ने बैहर, लांजी और परसवाड़ा विधानसभा के ने सल प्रभावित 319 मतदान केंद्रों पर पूरी तरह नजरें जमाएं रखी। दोनों ही अधिकारियों ने यहाँ के मतदान केंद्रों पर मतदाताओं से चर्चा भी की साथ ही निर्वाचन का संकेत दिखाते हुए वृद्ध मतदाताओं के साथ अमित स्याही वाली उंगली दिखाते हुए खुशी साझा की।3 बजे के बाद ऐसे रहा उत्साहजिले की बैहर, लांजी और परसवाड़ा विधानसभा में आयोग द्वारा निर्धारित समय दोपहर 3 बजे के बाद भी कई मतदाता पहुँचे। मतदान केंद्रों पर लंबी लंबी पंक्तियां देखी गई। लाइन में करीब 200 मतदाताओं को पर्चियां बांटी गई।पारंपरिक वेशभूषा में महिला शासकीय सेवकों ने लोकतंत्र पर्व मनायामतदान के अधिकार को अपना सबसे उत्तम हक मानते हुए कले टर कार्यालय में पदस्थ महिला शासकीय सेवको

ने उत्सव/पर्व के रूप में लिया। जनस पर्क विभाग में कार्यरत श्रीमती बिराजो मरकाम, भागन धुर्वे, हिरोदा मरकाम, भागवंती मेरावी और डिलेश्वरी भगत ने मतदान केंद्र क्रमांक 187 पर अपनी सहेलियों के साथ पहुँचकर मतदान में सहभागिता की।पहली बार मतदान का अनोखा अनुभव1 अे टूबर 23 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए आयोग द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। ऐसे मतदाताओं ने भी विशेष उत्साह दिखाते हुए मतदान केंद्रों का रुख किया और अपने मतदान का उपयोग किया। परसवाड़ा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 149 पर पहली बार मतदाता बनी युवतियों में खासा उत्साह रहा।105 वर्ष की भुरकन व 102 वर्ष की धुरपता बाई ने भी कर्तव्य के साथ अधिकार का किया उपयोगइस वर्ष मतदाता जागरूकता अभियान का ऐसा असर रहा कि नए मतदाताओं से लेकर 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं ने मतदान कर कर्तव्य निभाते हुए अधिकार का उपयोग किया। वारासिवनी विधानसभा में मुर्झाड मतदान केंद्र क्रमांक 42 पर 105 वर्षीय मतदाता भुरकन बाई और परसवाड़ा विधानसभा के हट्टा मतदान केंद्र क्रमांक 199 पर 102 वर्ष की धुरपता यादव ने भी मतदान के प्रति अपनी जीवटता दिखाते हुए लोकतंत्र में मतदान की सर्वोच्च भूमिका मानते हुए अपना योगदान दिया।तीन पीढ़ी के मतदाता पहुँचे मतदान केंद्र परस्थानीय विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 187 पर तीन पीढ़ी के मतदाताओं ने मतदान किया। साकरे परिवार की 90 वर्षीय माँ पुष्पा ने 59 वर्षीय पुत्र राजेन्द्र,52 वर्षीय विक्रांत, 49 वर्षीय बहू सुरेखा और पोतियों में 42 वर्षीय विधि के अलावा स्मृति, काव्या व आर्या ने एक साथ मतदान पर पहुँचकर लोकतंत्र के महापर्व में अपने मतदान का उपयोग किया।गर्भवती माता बहनें भी घरो से आकर किया मतदानजिले में मतदान का उत्साह य्या कदर रहा कि गर्भवती माता- बहनें भी अपने घरों से बाहर निकलकर मतदान केंद्रों तक पहुँची। परसवाड़ा विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 1 पर शारदा कावरे, 95 पर रक्षा लिल्हारे और लांजी विधानसभा के मतदान केंद्र क्रमांक 200 पर संगीता नगपुरे ने मतदान कर अपने जैसी बहनों को मतदान के लिए प्रेरित किया।परसवाड़ा के ग्रीन बूथ को आयोग ने भी पसन्द कियापरसवाड़ा विधानसभा में मतदान केंद्र क्रमांक 86 को ग्रीन मतदान केंद्र के रूप में स्थापित आया गया था। यहाँ के प्राथमिक विद्यालय में स्थानीय औषधि के पत्तों से संजे इस मतदान केंद्र को मु य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के ट्विटर व फेसबुक पेज से भी पोस्ट किया गया। इस मतदान केंद्र का एक और आकर्षण का केंद्र था यहाँ का सेल्फी पॉइंट जिस पर मतदाताओं ने सेल्फी लेकर खास बना दिया। यह इतना आर्कषक था कि जब यहां डीईओ ड़ॉ. मिश्रा और एसपी श्री सौरभ निरीक्षण पर पहुँचे तो वे भी सेल्फी लेने से अपने आप को नही रोक पाएं। यहां 338 में से 283 ममहिलाओं और 324 में से 260 पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया। जब यहां मतदान समाप्त हुआ तो मतदान दल को बिल्कुल प्राकृतिक दोना पत्तल में भोजन परोसा गया।कले टर एसपी और आरओ ने सपत्नीक किया मतदानमतदान करने के मामले में कले टर व जिला निर्वाचन अधिकारी ड़ॉ. मिश्रा व एसपी श्री सौरभ भी आगे रहे और सुबह ही मतदान केंद्र पर पहुँचे। उन्होंने मतदान केंद्र क्रमांक 187 पर सपत्नीक मतदान किया। इनके अलावा बालाघाट रिटर्निंग अधिकारी श्री गोपाल सोनी भी दोपहर में इसी मतदान केंद्र पर धर्मपत्नी के साथ मतदान किया।दिव्यांगों ने दिखाया जज़्बा केंद्रों तक पहुँचेआयोग ने पहली बार 80 वर्ष से अधिक आयु के तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए घर पर सुविधा केंद्र बनाकर मतदान करने का अवसर दिया। हालांकि ऐसे कुछ मतदाताओं ने फॉर्म-12 डी सुविधा केंद्र के लिए सहमति ली गई तथा कुछ मतदाताओं ने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदान करने का निर्णय लिया था। साथ ही ऐसे मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए जिले में 18 केंद्र पीडब्ल्यूडी मतदान केंद्र के रूप में स्थापित किये गए थे। परसवाड़ा विधानसभा के धनसुआ-2 मतदान केंद्र क्रमांक 176 पर बैसाखी के सहारे के दिव्यांग साधुराम टेकाम व बलिराम कावरे मतदान केंद्र पर पहुँचे और मतदान किया। इनके अलावा भी कई दिव्यांग मतदाताओं ने व्हीलचेयर की सहायता से मतदान करने में सफल हुए।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati.com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बीझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-4ड्ढ्ढ्रश्चद्बड्ड्ढ्डद्बञ्चद्दद्वड्डद्बद्य.ष्टश्चद्व न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297